MR. DEPUTY CHAIRMAN: There is no need for any submission. That is enough. It is ruled out. ...*(Interruptions)*... Already there is a decision of the Chairman not to have a discussion under Rule 267. That is ruled out. There is no scope to take up the notice under Rule 267 during the Zero Hour.

SHRI BHUPINDER SINGH: Sir, please listen to me.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I have already said about it, that is enough. Now, Mr. Prabhat Jha, please. ...*(Interruptions)*... Only Zero Hour Business and nothing else now. Please sit down. ...*(Interruptions)*...

MATTERS RAISED WITH PERMISSION

Death of a dalit man due to hunger in Banda, U.P.

श्री प्रभात झा (मध्य प्रदेश): उपसभापति महोदय, एक बहुत गंभीर मामला है और प्रत्येक व्यक्ति से ...**(व्यवधान)**... मैं उस बुंदेलखंड की चर्चा कर रहा हूं, जिस बुन्देलखंड की बात अभी उठायी गयी थी। मेरा इस सदन से निवेदन है कि यह बहुत गंभीर मामला है। बांदा के एला गांव में एक दलित की भूख से मौत हुई है। मैं किसी सरकार पर आरोप नहीं लगाता, लेकिन जो पानी को लेकर विवाद कर रहे थे, मैं उनसे पूछना चाहता हूं कि बुधवार को एला गांव में नाथू नाम के 41 साल के दलित की मौत पर क्यों आंसू बहाने नहीं गए? क्यों उसकी मौत हुई? भारत में भूख से मौत होना और दलित की मौत होना सरकार की सफलता कही जाएगी या असफलता कही जाएगी, यह मैं जानना चाहता हूं। इसके बाद उसकी पत्नी ने आरोप लगाया है कि पुलिस उसमें लीपा-पोती कर रही है। एक तो उसकी भूख से मौत हुई और वहां कहा जाता है कि समाजवादी राशन बांटा जाता है। नरेश जी चले गए, मैं उनसे जवाब जानना चाहता था। उसकी विधवा पत्नी मुन्नी देवी का आरोप है कि राहत पैकेट काफी देर से पहुंचे - आप इस वाक्य को सुनिए - और उसके पति की भूख से मौत हुई है, यह बयान उस विधवा पत्नी का है, मुन्नी देवी का है। उसका कहना है कि हलके के लेखपाल ने नाथू के शव को जल्द से जल्द अंतिम संस्कार करने के लिए बाध्य किया, दबाव डाला गया, ताकि उन्हें कोई मुआवज़ा न मिल सके। साथ ही आज एक अधिकारी कुछ कागजात लेकर आए और मुन्नी देवी का अंगूठे का निशान लगवाकर कहा कि वह अपने घर में अनाज न होने की बात किसी से न कहे। मैं पूछना चाहता हूं कि यह कैसी घिनौनी राजनीति है? दलित की मौत पर अगर इस तरह की राजनीति होगी, चाहे वह सपा की सरकार हो, बसपा की सरकार हो, भाजपा की सरकार हो या कांग्रेस की सरकार हो - मौत पर राजनीति नहीं करनी चाहिए। मुझे दुख हुआ है कि पानी की समस्या का निदान होता है। पानी का टैंकर भरा जाता है, ऐसी बात पर राजनीति करते हो, लेकिन दलित की मौत पर राजनीति क्यों? क्यों नहीं मुआवज़ा दिया गया, क्यों नहीं राशन पहुंचा? आप कहते हो कि उत्तर प्रदेश उत्तम प्रदेश है, यह कैसा प्रदेश है, यह हम जानना चाहते हैं। मैं केन्द्र सरकार से निवेदन करूंगा कि जिस तरह से केरल में घटना हुई, वहां जांच समिति भेजी, वहां मंत्री गए, यहां के लिए भी कोई न कोई व्यवस्था हो और इस नाथूराम को न्याय मिले, यह मेरी अपील है।

श्री भुपेन्द्र यादव (राजस्थान): महोदय, मैं इससे अपने आपको सम्बद्ध करता हूं।

श्री अमर शंकर साबले (महाराष्ट्र): महोदय, मैं भी इससे अपने आपको सम्बद्ध करता हूं।

श्री रणविजय सिंह जूदेव (छत्तीसगढ़): महोदय, मैं भी इससे अपने आपको सम्बद्ध करता हूं।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Shri Anand Sharma ...*(Interruptions)*... Shri Anand Sharma; not present ...*(Interruptions)*... Shri D. Raja. ...*(Interruptions)*...

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF MINORITY AFFAIRS AND THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI MUKHTAR ABBAS NAQVI): Sir, one minute. ...*(Interruptions)*... सर, प्रभात झा जी ने बांदा का जो मुद्दा उठाया है, यह बहुत ही संवेदनशील मुद्दा है और बहुत महत्वपूर्ण मुद्दा है। उस दिन जब केरल में एक बहुत ही वहशियाना घटना हुई थी, तो आपने सरकार को निर्देश दिया था कि वह उसके बारे में तत्काल पता लगाए। निश्चित तौर से मुझे लगता है कि उत्तर प्रदेश की सरकार अगर अपनी जिम्मेदारी से... इसके प्रति उसकी जितनी जिम्मेदारी और संवेदनशीलता होनी चाहिए, उसको पूरा करने के लिए केन्द्र सरकार उसको कहेगी और आवश्यकता होगी तो आगे कदम उठाएगी।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Okay; he has raised it. Dalit issue is a Central issue also. ...*(Interruptions)*...

SHRI JAIRAM RAMESH (Andhra Pradesh): Sir, yesterday, you asked the Rajya Sabha ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: No, no. Shri D. Raja. ...*(Interruptions)*...

SHRI JAIRAM RAMESH: Sir, yesterday, you asked the Rajya Sabha Secretariat ...*(Interruptions)*... Sir, yesterday, you asked the Secretariat to submit a report to you on the progress of the authentication of the documents quoted by Dr. Subramanian Swamy day before yesterday ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I will tell you. ...*(Interruptions)*... I will come back to you. ...*(Interruptions)*... I will tell you. ...*(Interruptions)*...

SHRI JAIRAM RAMESH: Sir, I have not received that report ...*(Interruptions)*... and what action...*(Interruptions)*... on that report.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I will come back ...*(Interruptions)*... I will come back to you. ...*(Interruptions)*... I will reply to you...*(Interruptions)*...

चौधरी मुनव्वर सलीम (उत्तर प्रदेश): उपसभापति जी, हमें भी सुन लीजिए। ...**(व्यवधान)**...

†[چودھری منوّر سلیم : اپ سبھا پتی جی، ہمیں بھی سن لیجئے ---(مداخلت)---]

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I will reply to you, sit down. ...*(Interruptions)*... I will reply...*(Interruptions)*... Shri D. Raja. ...*(Interruptions)*... No, no. ...*(Interruptions)*... What? ...*(Interruptions)*... About this Dalit issue. ...*(Interruptions)*...

उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्री (श्री रामविलास पासवान): उपसभापति महोदय, पूरे देश में खाद्य सुरक्षा कानून लागू हो गया है। सिर्फ दो राज्य तमिलनाडु और केरल बचे हैं, जहां पर चुनाव चल रहे हैं। खाद्य सुरक्षा के अंतर्गत हम लोग उत्तर प्रदेश में भी 79 परसेंट लोगों को 2 रुपये किलो गेहूं और 3 रुपये किलो चावल दे रहे हैं। जब सरकार की ओर से खाद्य सुरक्षा कानून लागू हो गया है और उस परिस्थिति में किसी व्यक्ति की भूख से मरने का समाचार आता है, तो यह बहुत ही दुखद है। हम इसकी जांच के लिए यहां से टीम भेजेंगे।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: You can take note of it. ...*(Interruptions)*... Yes; you can do that.

श्री रामविलास पासवान: बिहार में भी हमने टीम भेजी थी, जब जागो मांझी की भूख से मृत्यु हुई थी। हम टीम भेजेंगे और पता लगाएंगे कि जब प्रत्येक महीना 100 प्रतिशत उठाव हो जाता है, तब उस व्यक्ति को कब से अनाज नहीं मिला और नहीं मिला, तो क्यों नहीं मिला?

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Okay, that is okay. Shri D. Raja. ...*(Interruptions)*...

सुश्री मायावती (उत्तर प्रदेश): उपसभापति महोदय, एक मिनट, एक मिनट।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Please. ...*(Interruptions)*... Our Zero Hour will be derailed. ...*(Interruptions)*... हो गया।

श्री सतीश चन्द्र मिश्रा (उत्तर प्रदेश): सर, आप सुन लीजिए।

सुश्री मायावती: उपसभापति जी, बुंदेलखंड में जो सत्ता पक्ष की ओर से माननीय सदस्य ने एक दलित की भूखे रहने की वजह से मृत्यु होने का कारण बताया है, मैं आपको बताना चाहती हूं कि बुंदेलखंड में एक नहीं, कई लोगों की मृत्यु हो चुकी है, वे मर चुके हैं। यह जांच का विषय है। वहां पर बेकसूर लोगों की हत्याएं भी की जा रही हैं। दलितों का बड़ा शोषण हो रहा है और भुखमरी से लोग मर रहे हैं। बुंदेलखंड में जिन दलितों की भूखे रहने की वजह से मृत्यु हुई है, ...(व्यवधान)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Okay, all right. ...*(Interruptions)*... Noted ...*(Interruptions)*... Shri D. Raja. ...*(Interruptions)*... That is noted. ...*(Interruptions)*... Shri D. Raja. ...*(Interruptions)*...: Okay; you can take note of that. ...*(Interruptions)*... Shri D. Raja. ...*(Interruptions)*...

† Transliteration in Urdu script.

सुश्री मायावतीः तो सेंट्रल गवर्नमेंट की जिम्मेदारी है कि वह यहां से कोई टीम भेजे और वहां पर उस मामले की जांच करवा कर, जो भी इसमें दोषी लोग हैं, उनके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। **...(व्यवधान)...**

SHRI JAIRAM RAMESH: Sir, ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I told you that I will come back to you.

सुश्री मायावतीः माननीय उपसभापति जी, क्योंकि यह मामला सेंसिटिव है, यहां से जो टीम भेजी और जो भी रिपोर्ट आए, उससे सदन को जरूर अवगत कराया जाए। **...(व्यवधान)...**

MR. DEPUTY CHAIRMAN: We are sitting up to 5.00 p.m. Why are you worried? ...*(Interruptions)*... Now, Shri D. Raja. ...*(Interruptions)*... Mayawatiji, please sit down. Shri D. Raja, please be fast.

Situation due to deteriorating health of some JNU students participating in indefinite fast

SHRI D. RAJA (Tamil Nadu): Sir, with great sense of anguish, I draw the attention of the entire House. I draw the attention of the Government that the JNU students are on indefinite fast; eight days have passed. Teachers also joined the students; they are also part of the indefinite fast. Sir, the situation in JNU is very serious. The condition of students is deteriorating. Last night, the JNUSU President, Kanhaiya Kumar has been shifted to the All India Institute of Medical Sciences. His health has gone down. Several students are facing the similar problem. The situation is so sad, and Jawaharlal Nehru University has been constituted under the Act of Parliament. Under the nose of Parliament, our students are suffering in such a way in JNU campus. The University authorities have resorted to punitive action against students. Several students have been rusticated; several students have been heavily fined. Why should the University authorities do this? Yesterday also, during the debate, I asked the HRD Ministry to intervene and advise the University authorities to reconsider their action against students. The Vice-Chancellor, the University authorities must offer negotiations with Students' Union, and sort out the problem. Sir, it cannot go out of control. After all, these students are the future of this nation. Sir, Jawaharlal Nehru University is a prestigious University. Hon. Minister, Shrimati Nirmala Sitharaman is sitting here. She is from JNU; Shri DP. Tripathi is from JNU; Shri Sitaram Yechury, my Comrade, is from JNU. Sir, JNU has produced such eminent politicians, statesmen, scientists, foreign affairs experts, diplomats and everything. Such a University is passing through unprecedented crisis, Sir. Can we tolerate it? Can we allow this? Can we allow our children to suffer like this? Their health is going from bad to worse. Sir, how can we, sitting in Parliament, tolerate such a situation? I am asking you this because you